हमें कोविड से लड़ने के लिए वैज्ञानिक सोच की जरूरत है सरकारी प्रयासों से ज्योतिष को बढ़ावा देने का विरोध

अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क और उसके सभी घटक निकाय वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से M.A. ज्योतिष कोर्स शुरू करने के लिए इग्नू द्वारा हाल में की गई घोषणा पर ध्यान दें हमने भी यह ध्यान दिया इस तरह के पाठ्यक्रम कम से कम कुछ मुट्ठी भर सार्वजनिक वित्त पोषित विश्वविद्यालय में चल रहे हैं हम जानते हैं कि इन विश्वविद्यालयों के अधिकारी यह दावा करके ऐसे पाठ्यक्रमों का बचाव कर रहे हैं कि यह कोर्स सभी चरणों में पाठ्यक्रम में भारतीय ग्राम प्रणालियों की शुरुआत की NEP 2020 सिफारिशों को पूरा करते हैं

भारत में खगोल विज्ञान ,गणित,धातु कर्म और दर्शन सहित कई क्षेत्रों में ज्ञान सुजन की समृद्ध परंपरा रही है आधुनिक विज्ञान के पेड़ को अतीत की सभी महान संस्कृतियों में अलग-अलग तरीकों से और अलग-अलग लोगों ने सींचा है इस सामूहिक ज्ञान में कुछ भारतीय योगदान निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण हैं और वे विज्ञान के किसी भी संपूर्ण अध्ययन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हालांकि हमारे प्राचीन मिथकों के उदाहरण के आधार पर प्राचीन भारत में कथित वैज्ञानिक और तकनीकी खोजों के बारे में शानदार झूठे दावे करना यह दावा करता है कि प्राचीन भारतीयों के पास उड़ने की तकनीक थी और ज्योतिष जैसे वैज्ञानिक क्षेत्र को प्रवृत्ति देना (फल होराभारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार)भारतीय विज्ञान के वास्तविक इतिहास को ही बदनाम करता है हमारे छात्र हर मिनट कुछ ना कुछ सीखने में बिताते हैं जो स्पष्ट रूप से झूठा है वह 1 मिनट है जिसे भारतीय विज्ञान के वास्तविक इतिहास के लिए समर्पित किया जा सकता था। हां आज नहीं है बेटे कल है पेपर बेटा तुम क्यों नहीं देते हो ग्रुप में डेट शीट डाल रखी है पूरी स्तिथि की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि ज्योतिष शास्त्र का भाग ज्योतिष एक भारतीय उत्पाद भी नहीं है इस बात के पर्याप्त संकेत तक हैं कि भारत में लगभग चौथी शताब्दी ईसा पूर्व तक राशि आधारित कुंडली बनाने और उनके आधार पर भविष्य की भविष्यवाणी का अभ्यास नहीं किया गया था जब यह कसादी और यूनानी विचार भारतीय तटों पर पहुंचे।

ज्योतिषीय भविष्यवाणियों को किसी भी नियंत्रित सांख्यिकी प्रशिक्षण में हमेशा विफल दिखाया गया है यह मानने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि ग्रहों का मानव शरीर पर कोई सार्थक प्रभाव पड़ता है, अंत में ज्योतिषीय सिद्धांत की ग्रहों का प्रभाव आपकी जन्म कुंडली के आधार पर अलग अलग होगा यहां तक कि सारे तर्क को भी दत्ता बताता है आई जी एन ओ यू द्वारा शिक्षण पाठ्यक्रम के रूप में इस तरह के एक शब्द और तार्किक क्षेत्र का परिचय सरकारी प्रयास से अंधविश्वास को बढ़ावा देना है आगे इसका परिचय भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51a एच के विरुद्ध जाता है जो यह निर्धारित करता है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का पालन करना प्रत्येक भारतीय नागरिक का मौलिक कर्तव्य है वैज्ञानिक मनोवृति को बढ़ावा देना जो हम में से प्रत्येक के लिए एक मौलिक कर्तव्य है हमें विशेष रूप से सरकारी निकायों द्वारा छद्म विज्ञान के प्रचार का विरोध करने की आवश्यकता है।

हम नकली आंकड़े छद्म विज्ञान को बढ़ावा देने और केंद्र और कुछ राज्य सरकारों द्वारा गैर जिम्मेदार फैसलों के संबंध में अपनी बड़ी चिंता व्यक्त करते हैं जिन्होंने महामारी के प्रसार में योगदान दिया है और विज्ञान पर आधारित एक नियोजित प्रतिक्रिया की उपेक्षा की है बिना वैज्ञानिक सोच के कोविड से नहीं लड़ा जा सकता भारत के अधिकांश राज्यों में प्रभावों सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की उपेक्षा और गिरावट के कारण लाभ के लिए निजी स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने वाली नीतियों को वैज्ञानिक रूप से कोबिट से लड़ने की आवश्यकता है। कोविड से लड़ने के लिए नगद आधार पर सार्वभौमिक मुफ्त टीकाकरण के लिए राष्ट्रीय नीति के प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता है इसके लिए ईमानदार डेटा संग्रह के आधार पर योजना बनाने की आवश्यकता है केंद्र सरकार और कई राज्य सरकारें मुक्त टीकाकरण पर विज्ञापन में उपयोग खर्च को आराम देते हुए टीके ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति

सुनिश्चित करने और यहां तक कि को भीड़ के शिकार लोगों के शवों के उचित निपटान को सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर अभ्यास में विफल हो रही है जमीन पर स्थिति की सही सही रिपोर्टिंग करने वाले मीडिया संगठनों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया जा रहा है और राज्य तंत्र के दुरुपयोग से चुप कराने की कोशिश की जा रही है इस प्रकार सरकार स्वयं नकली आंकड़ों को बढ़ावा दे रही है और सक्रिय रूप से सच्चाई को दबाने की कोशिश कर रही है।

हम AIPSN के सदस्य और संबंधित नागरिक मांग करते हैं कि ज्योतिष ज्योतिष शास्त्र का भविष्य सूचक भाग से संबंधित पाठ्यक्रम सार्वजनिक रूप से खोले गए प्रत्येक विश्वविद्यालय से बंद कर दिए जाएं इसके बजाय हम भारतीय विश्वविद्यालयों में खगोल विज्ञान की शुरुआत की मांग करते हैं हम एक सार्वभौमिक अधिकार के रूप में अच्छी गुणवत्ता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए निजी करण नीतियों को उलट ने और वैज्ञानिक नीति की बहाली की मांग करते हैं हम आगे मांग करते हैं कि सरकार कोविड-19 पर ईमानदारी से मीडिया रिपोर्टिंग पर अपने हमलों को रोके हम यह भी मांग करते हैं कि कोविड महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने और उसे हराने के लिए व्यापक स्तर पर वैज्ञानिक सोच को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के लिए अनुच्छेद 51a (h)का पूरा सम्मान किया जाए हम सभी नागरिक जन संगठनों और शैक्षणिक संस्था से अपील करते हैं इस चुनौतीपूर्ण समय में वैज्ञानिक मनोवृति को बढ़ावा देने के लिए दाभोलकर, पंसरे, कालबुर्गी और लंकेश की नृशंस हत्या के खिलाफ आवाज उठाने के लिए 20 अगस्त को राष्ट्रीय वैज्ञानिक स्वभाव सोच दिवस NSTD के पालन में भाग ले।

सभ्यता मतभेदों का प्रोत्साहन है :_महात्मा गांधी

Signatures

1.

2.

3.